Nehru Yuva Kendra Sangathan, (Bihar)

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
MINISTRY OF
YOUTH AFFAIRS AND SPORTS

NEHRU YUVA KENDRA SANGATHAN (BIHAR)

Topic : Language Learning

Ek Bharat Shreshtha Bharat

एक भारत श्रेष्ठ भारत

: Participant State :

Bihar, Tripura & Mizoram

Date: 26-02-2021

NYKS
Nehru Yuva Kendra Sangathan
नेहरु युवा केन्द्र संगठन
साथ साथ
कल की ओर...

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
MINISTRY OF
YOUTH AFFAIRS AND SPORTS

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
एक भारत श्रेष्ठ भारत

राष्ट्रीय सेवा योजना
NATIONAL SERVICE SCHEME

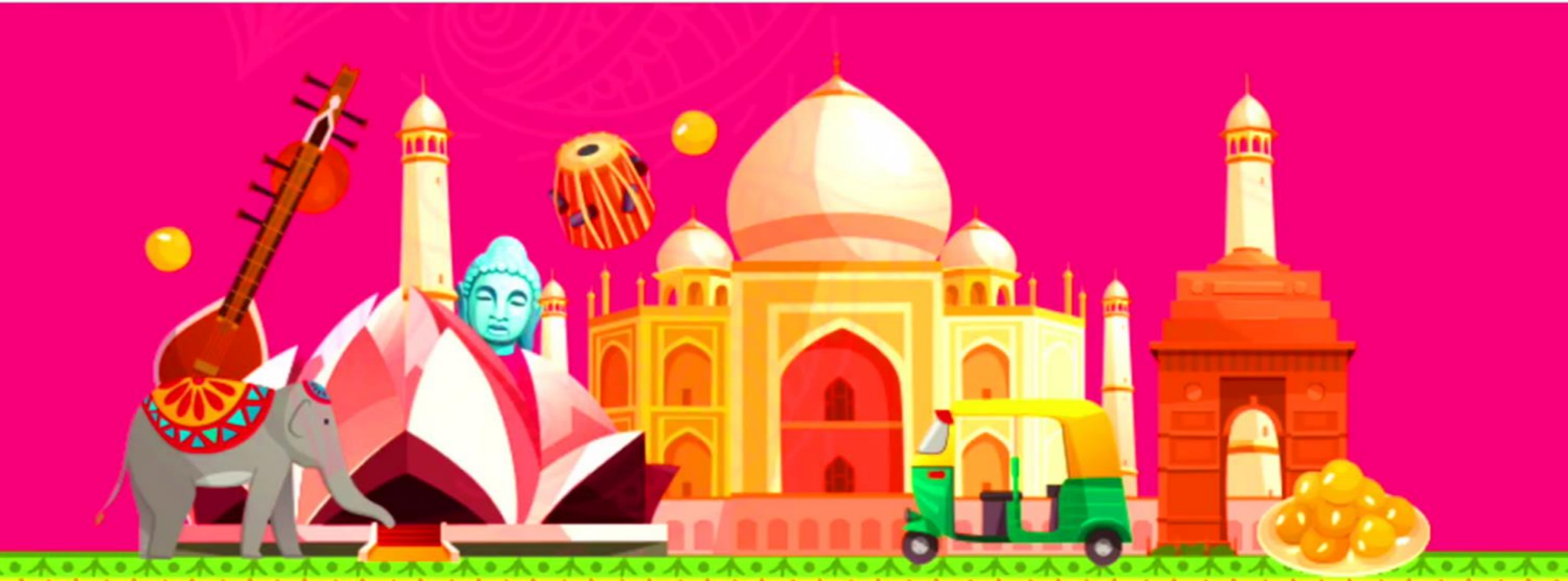

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT
एक भारत श्रेष्ठ भारत
தமிழ்
ગુજરાતી
ଓଡ଼ିଆ
ಕನ್ನಡ
বাংলা
हिन्दी
मराठी
ਪੰਜਾਬੀ
नेपाली
తెలుగు
اردو
"EK BHARAT
SHRESHTHA BHARAT"

- **सामग्री:**
  - पृष्ठभूमि (एक भारत श्रेष्ठ भारत):
  - एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य
  - भारतीय भाषाओ से जुड़े रोचक तथ्य
  - भाषा का परिचय और महत्व
  - भारत की भाषाएँ
  - बिहार: एक परिचय
  - हिंदी भाषा उदभव एंव विकास
  - उर्दू : एक संक्षिप्त परिचय
  - बिहार राज्य की भाषाएँ
  - भाषा सीखना – Language Learning
  - लोकप्रिय वाक्य और उनका अनुवाद इंग्लिश , हिंदी , भोजपुरी, मगही, मैथली और अंगिका में
  - बिहारी साहित्यकारों का स्वतंत्र संग्राम में योगदान
  - हिंदी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार
  - क्यों मर रही हैं भाषाएँ : एक चिंतन

BACKGROUND

पृष्ठभूमि (एक भारत श्रेष्ठ भारत):

भारत जैसा कोई देश नहीं है, जो विविध, बहुभाषी और बहु-सांस्कृतिक है, फिर भी साझा परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों के प्राचीन बंधनों से बंधे हुए हैं। ऐसे क्षेत्रों को विभिन्न क्षेत्रों के लोगों और जीवन के तरीकों के बीच बढ़ाया और निरंतर पारस्परिक संपर्क के माध्यम से मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि पारस्परिकता को बढ़ावा मिले और भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से विशेष देश में विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच एकता का एक समृद्ध मूल्य प्रणाली हासिल हो सके।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 140 वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर, 2015 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की घोषणा की गई थी।

इसके बाद, वित्त मंत्री ने 2016-17 के अपने बजट भाषण में पहल की घोषणा की। इस अभिनव उपाय के माध्यम से, विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं का ज्ञान और यूटी राज्यों के बीच एक बढ़ी हुई समझ और बंधन को जन्म देगा, जिससे भारत की एकता और अखंडता मजबूत होगी। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कार्यक्रम के तहत कवर किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों की जोड़ी होगी और ये जोड़ी एक वर्ष या अगले दौर की जोड़ियों तक लागू रहेगी। राज्य / केंद्रशासित प्रदेश जोड़ी का उपयोग राज्य स्तर की गतिविधियों के लिए किया जाएगा। जिला स्तर की जोड़ी राज्य स्तरीय जोड़ी से स्वतंत्र होगी। यह गतिविधि विभिन्न राज्यों और जिलों को वार्षिक कार्यक्रमों से जोड़ने के लिए बहुत उपयोगी होगी जो लोगों को संस्कृति, पर्यटन, भाषा, शिक्षा, व्यापार आदि के क्षेत्रों में आदान-प्रदान के माध्यम से जोड़ेगी और नागरिक बहुत बड़ी संख्या में सांस्कृतिक विविधता का अनुभव कर सकेंगे। राज्य / संघ राज्य क्षेत्र यह महसूस करते हुए कि भारत एक है।

EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT

एक भारत श्रेष्ठ भारत

“ Sardar Patel gave us Ek Bharat
It is now the solemn duty of 125 crore Indians
to collectively make Shreshtha Bharat ”

OBJECTIVES OF EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT

एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य

- एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य **पहलों के व्यापक उद्देश्य इस प्रकार हैं: -**
  हमारे राष्ट्र की विविधता में एकता का जश्न मनाने और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से विद्यमान भावनात्मक बंधन के ताने को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए।

- 2. राज्यों के बीच एक साल की योजनाबद्ध सगाई के माध्यम से सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच एक गहरी और संरचित सगाई के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना।

- 3. लोगों की समृद्ध विरासत और संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं का प्रदर्शन करने के लिए लोगों को भारत की विविधता को समझने और सराहना करने में सक्षम बनाने के लिए, इस प्रकार आम पहचान की सेवा को बढ़ावा देना।

- 4. दीर्घकालिक जुड़ाव स्थापित करना और

- 5. एक ऐसा वातावरण बनाना जो राज्यों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करके सीखने को बढ़ावा देता है।
-

FOR PAIRING STATES

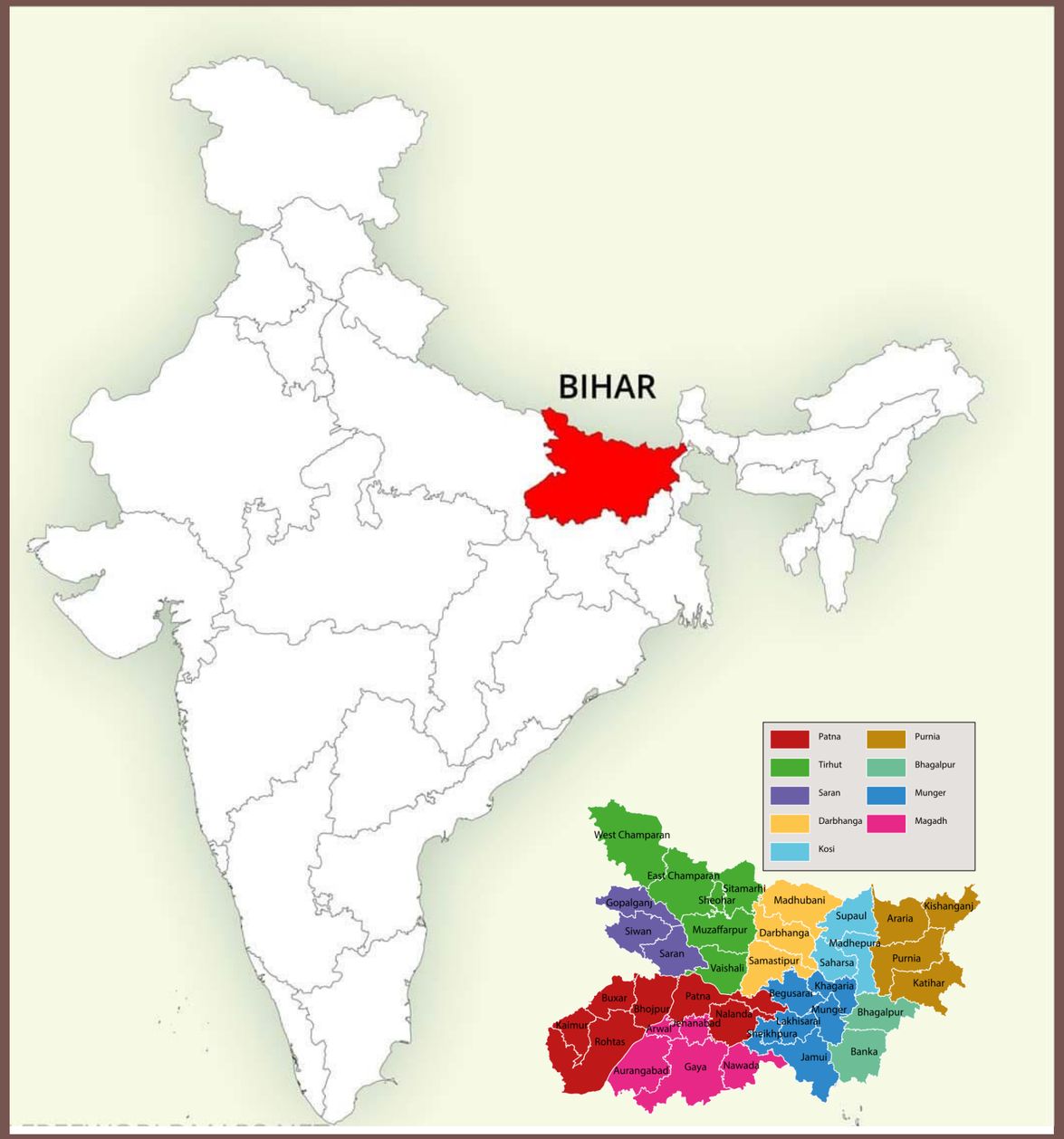
BIHAR
Patna
Purnia
Tirhut
Bhagalpur
Saran
Munger
Darbhanga
Magadh
Kosi
West Champaran
East Champaran
Sitamarhi
Sheohar
Madhubani
Gopalganj
Supaul
Araria
Kishanganj
Siwan
Muzaffarpur
Darbhanga
Madhepura
Saran
Vaishali
Samastipur
Saharsa
Purnia
Khagaria
Katihar
Buxar
Patna
Begusarai
Bhojpur
Nalanda
Munger
Bhagalpur
Kaimur
Jehanabad
Lakhisarai
Arwal
Sheikhpura
Rohtas
Banka
Jamui
Aurangabad
Gaya
Nawada

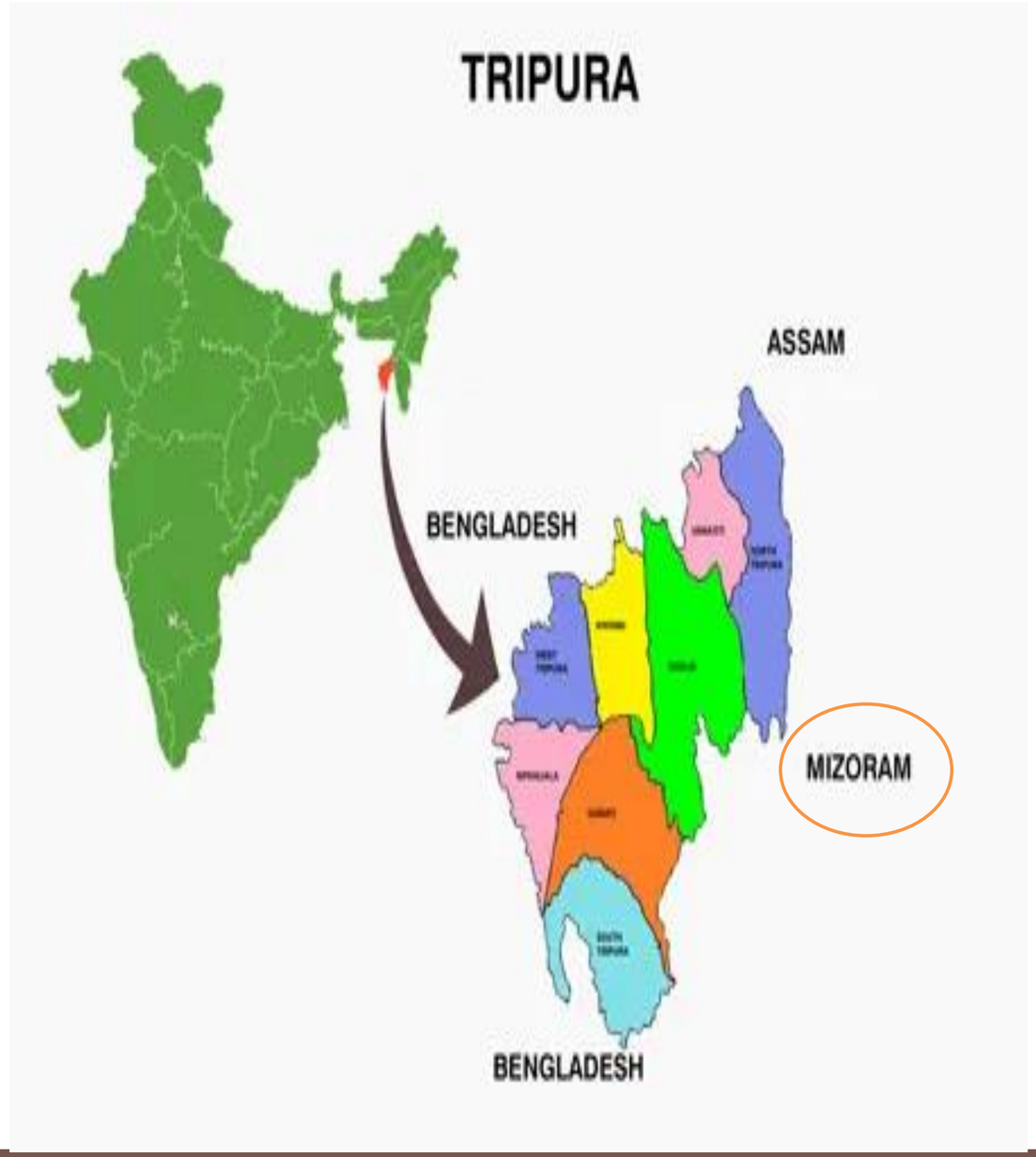
TRIPURA
ASSAM
BENGLADESH
MIZORAM
BENGLADESH

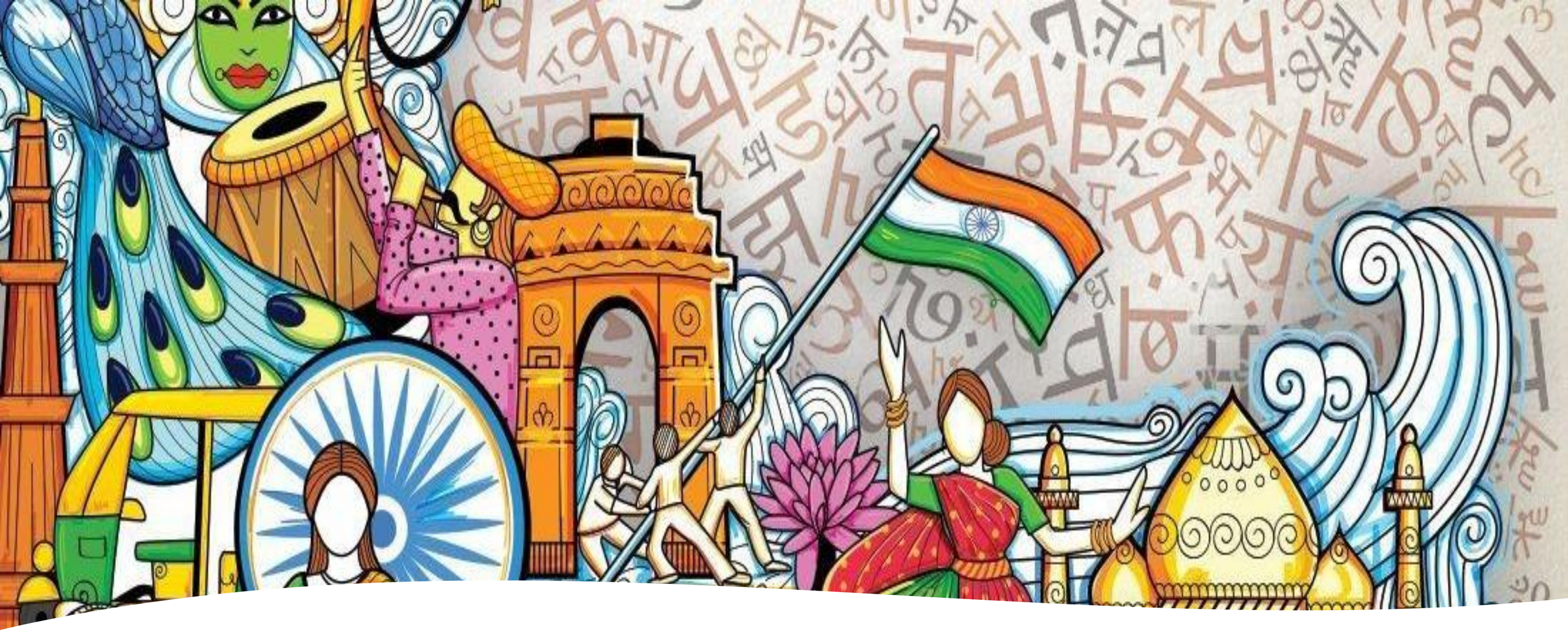

"कोस कोस पर बदले पानी और चार कोस पर वाणी...”

अर्थात् हर एक कोस की दुरी पर पानी का स्वाद बदल जाता है और 4 कोस पर वाणी यानि भी भाषा बदल जाती है। यह कहावत मातृभाषा की महत्ता समझाने के लिए काफी है

क्या आप जानते हैं कि भारत के करेंसी नोट का मूल्य भी 17 भाषाओं में छपा है।

भारत की
भाषाएं
19,500
भाषाएं और बोलियां

भाषा की परिभाषा/
Definition of Language

- हिन्दी भाषा के कुछ प्रसिध्द व्याकरणविदों ने भाषा को निम्नलिखित शब्दों में परिभाषित किया है।

- ‘मनुष्य और मनुष्यों के बीच वस्तुओं के विषय में अपनी इच्छा का आदान—प्रदान करने के लिये व्यक्त किये जाने वाले ध्वनि—संकेतों का जो व्यवहार होता है, उसे भाषा कहते हैं।’ — **डॉ. श्याम सुंदर दास**

- मानव, ईश्वर की सृष्टि का एक सर्वश्रेष्ठ एवं बुध्दिमान प्राणी है। सभ्यत के आदिकाल से, अनेक कारणों से उसने समाज का निर्माण किया। पारस्पारिक संपर्क के लिये उसे भाषा की आवश्यकता पडी क्योंकि विचारों की अभिव्यक्ति एक सर्वग्राहा भाषा के अभाव में असंभव थी। इस प्रकार मानव के विकास के साथ ही भाषा का जन्म हुआ।

भारत की भाषाएँ

- भारत बहुत सारी भाषाओं का देश है, लेकिन सरकारी कामकाज में व्यवहार में लायी जाने वाली दो भाषायें हैं, हिन्दी और अंग्रेज़ी। भारत में द्विभाषी वक्ताओं की संख्या 31.49 करोड़ है, जो 2011 में जनसंख्या का 26% है।

- हिन्द-आर्य भाषाएँ
- पालि, प्राकृत, मारवाड़ी/मेवाड़ी, अपभ्रंश, हिंदी, उर्दू, पंजाबी, राजस्थानी, सिंधी, कश्मीरी, मैथिली, भोजपुरी, नेपाली, मराठी, डोगरी, कुरमाली, नागपुरी, कोंकणी, गुजराती, बंगाली, उड़िया, असमी, खोरठा

- द्रविड़ भाषाएँ
- तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, तुलू, गोंडी, कुड़ुख

- आस्ट्रो-एशियाई भाषाएँ
- संथाली, हो, मुंडारी, खासी

- तिब्बती-बर्मी भाषाएँ
- नेपाल भाषा, मणिपुरी, खासी, मिज़ो, आओ, म्हार, नागा

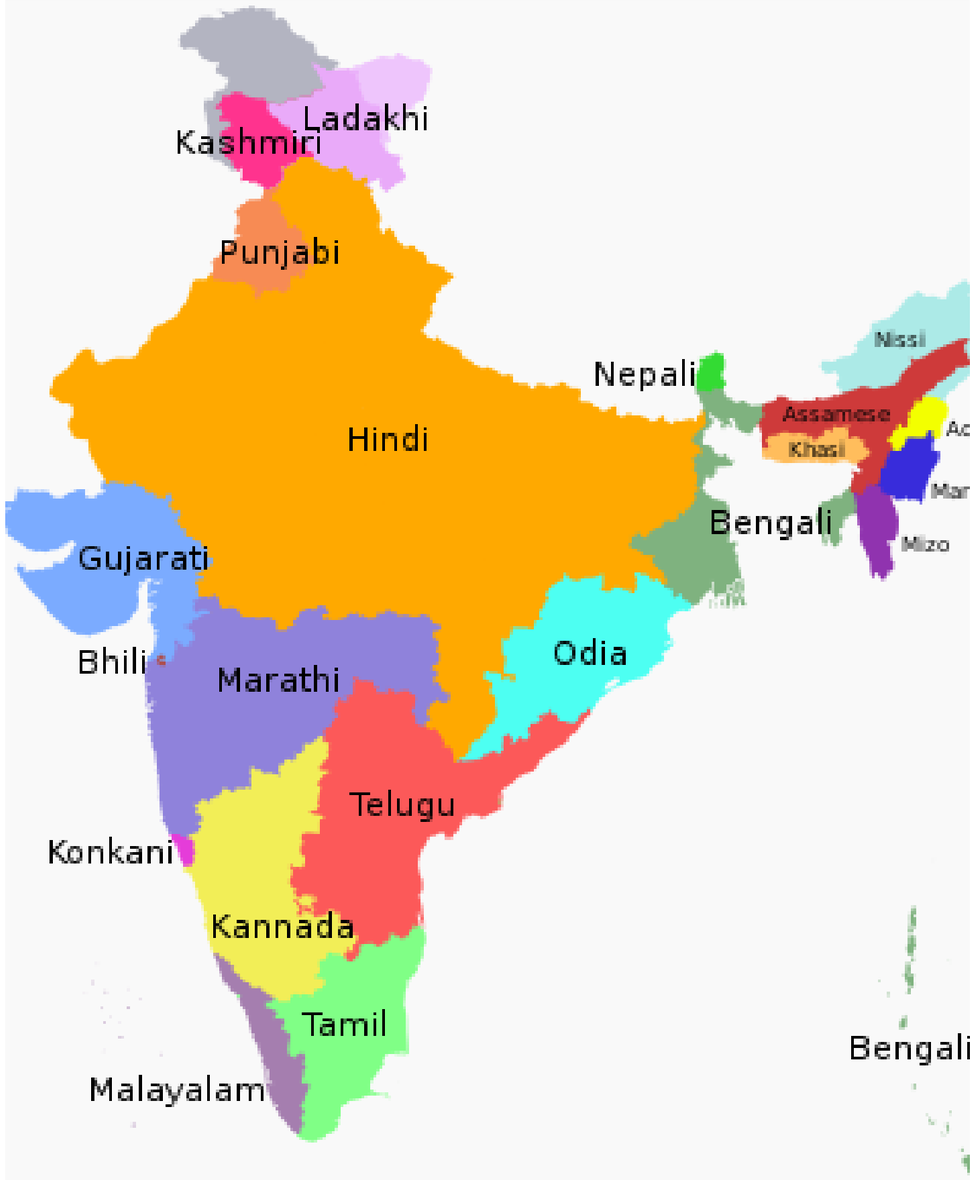

बिहार: एक परिचय

गठन: 22 मार्च 1912

राजधानी: पटना

- 94,163 किमी 2 (36,357 वर्ग मील) के क्षेत्रफल के साथ, बिहार जनसंख्या के हिसाब से तीसरा और क्षेत्र से बारहवां सबसे बड़ा राज्य है।
- इसके पश्चिम में उत्तर प्रदेश, उत्तर में नेपाल, पूर्व में पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग और दक्षिण में झारखंड के साथ सन्निहित है।
- बिहार राज्य को 9 डिवीजनों 101 उपखंडों के तहत 38 जिलों में विभाजित किया गया है।

بہار

बिहार

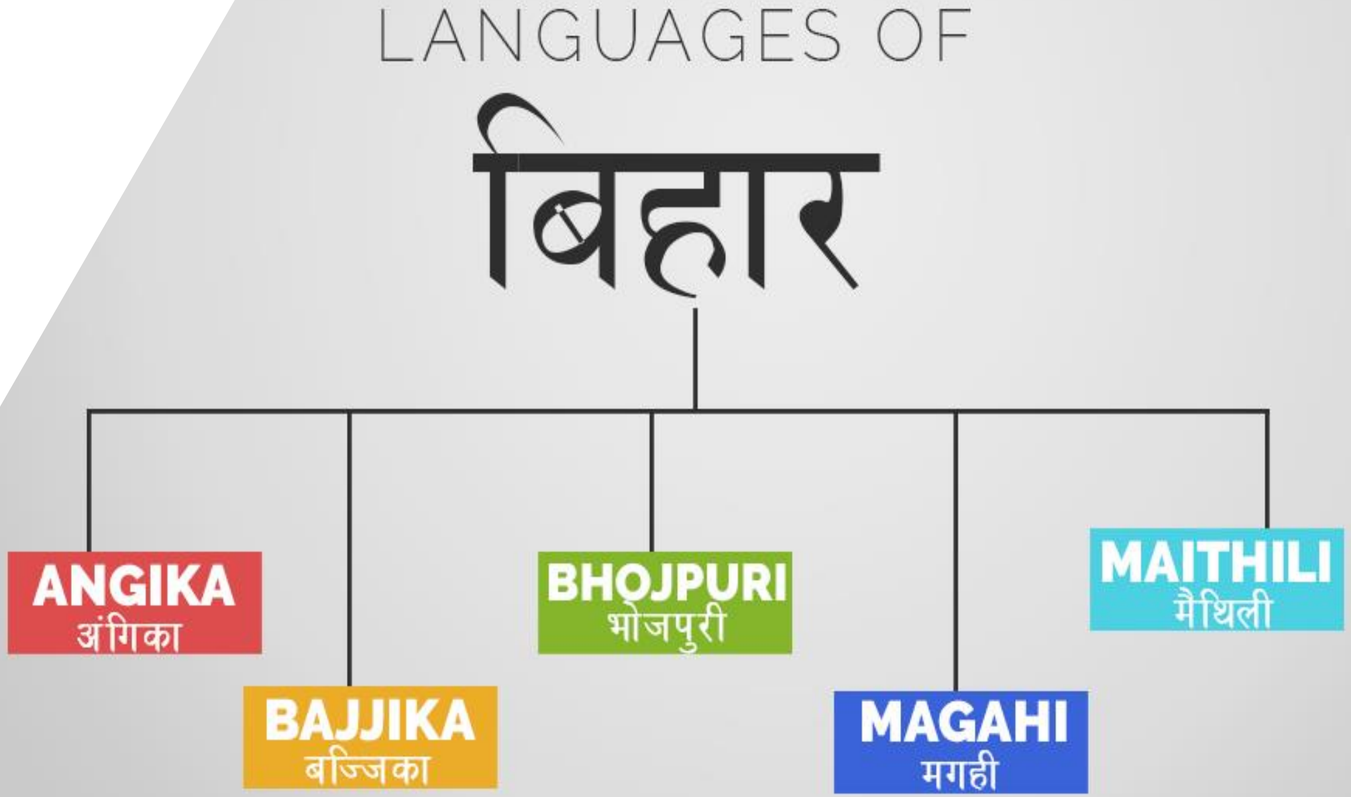

बिहार राज्य की आधिकारिक भाषा हिंदी और उर्दू है

हिंदी भाषा का उद्भव और विकास

वैदिक संस्कृत | लौकिक संस्कृत | पालि | प्राकृत | अपभ्रंश | अवहट्ट | हिंदी

हिंदी भाषा

उत्पत्ति एवं क्रमिक विकास

संस्कृत	पालि	प्राकृत	अपभ्रंश	हिंदी
1500 ई. पू. से 500 ई. पू.	500 ई. पू. से 01 ईसवी	01 ईसवी से 500 ईसवी	500 ईसवी से 1000 ईसवी	1000 ईसवी से अब तक
वैदिक एवं लौकिक	बुद्ध के उपदेश	जन सामान्य की भाषा	लोक भाषा	हिंदी के विविध रूप

हिन्दी भाषा का इतिहास और विकास

- आज हम जिस भाषा को हिन्दी के रूप में जानते है, वह आधुनिक आर्य भाषाओं में से एक है। आर्य भाषा का प्राचीनतम रूप वैदिक संस्कृत है, जो साहित्य की परिनिष्ठित भाषा थी।

- वैदिक भाषा में वेद, संहिता एवं उपनिषदों-वेदांत का सृजन हुआ है। वैदिक भाषा के साथ-साथ ही बोलचाल की भाषा संस्कृत थी,जिसे लौकिक संस्कृत भी कहा जाता है। संस्कृत का विकास उत्तरी भारत में बोली जाने वाली वैदिककालीन भाषाओं से माना जाता है।

- अनुमानत: 8 शताब्दी ई.पू.में इसका प्रयोग साहित्य में होने लगा था। संस्कृत भाषा में ही रामायण तथा महाभारत जैसे ग्रन्थ रचे गए। वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, अश्वघोष, माघ, भवभूति, विशाख, मम्मट, दंडी तथा श्रीहर्ष आदि संस्कृत की महान विभूतियां है। इसका साहित्य विश्व के समृद्ध साहित्य में से एक है।

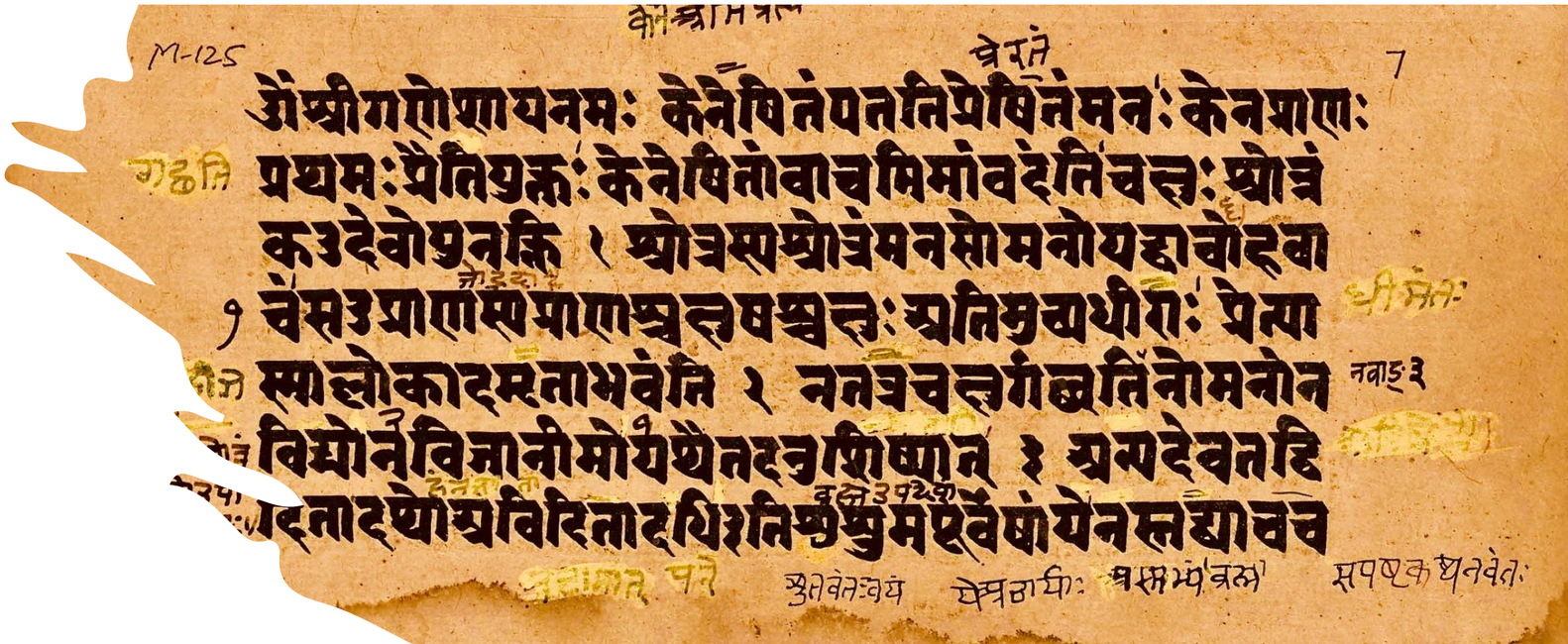

बुद्धं शरणं गच्छामि
संघं शरणं गच्छामि
धम्मं शरणं गच्छामि

- संस्कृतकालीन आधारभूत बोलचाल की भाषा परिवर्तित होते-होते 500 ई.पू.के बाद तक काफ़ी बदल गई,जिसे 'पाली' कहा गया।
- महात्मा बुद्ध के समय में पाली लोक भाषा थी और उन्होंने पाली के द्वारा ही अपने उपदेशों का प्रचार-प्रसार किया। संभवत: यह भाषा ईसा की प्रथम ईसवी तक रही। पहली ईसवी तक आते-आते पालि भाषा और परिवर्तित हुई,तब इसे 'प्राकृत' की संज्ञा दी गई। इसका काल पहली ई.से 500 ई.तक है।

हिन्दी भाषा का इतिहास और विकास

- पहली ईसवी तक आते-आते पालि भाषा और परिवर्तित हुई,तब इसे 'प्राकृत' की संज्ञा दी गई। इसका काल पहली ई.से 500 ई.तक है।

•

पाली की विभाषाओं के रूप में प्राकृत भाषाएं- पश्चिमी,पूर्वी ,पश्चिमोत्तरी तथा मध्य देशी ,अब साहित्यिक भाषाओं के रूप में स्वीकृत हो चुकी थी,जिन्हें मागधी,शौरसेनी,महाराष्ट्री,पैशाची,ब्राचड तथा अर्धमागधी भी कहा जा सकता है।

आगे चलकर,प्राकृत भाषाओं के क्षेत्रीय रूपों से अपभ्रंश भाषाएं प्रतिष्ठित हुई। इनका समय 500 ई.से 1000 ई.तक माना जाता है। अपभ्रंश भाषा साहित्य के मुख्यत: दो रूप मिलते है - पश्चिमी और पूर्वी ।

- अनुमानत: 1000 ई.के आसपास अपभ्रंश के विभिन्न क्षेत्रीय रूपों से आधुनिक आर्य भाषाओं का जन्म हुआ। अपभ्रंश से ही हिन्दी भाषा का जन्म हुआ। आधुनिक आर्य भाषाओं में,जिनमे हिन्दी भी है, का जन्म 1000 ई.के आसपास ही हुआ था,किंतु उसमे साहित्य रचना का कार्य 1150 या इसके बाद आरंभ हुआ।

•

अनुमानत: तेरहवीं शताब्दी में हिन्दी भाषा में साहित्य रचना का कार्य प्रारम्भ हुआ,यही कारण है कि हजारी प्रसाद द्विवेदी जी हिन्दी को ग्राम्य अपभ्रंशों का रूप मानते है। आधुनिक आर्यभाषाओं का जन्म अपभ्रंशों के विभिन्न क्षेत्रीय रूपों से इस प्रकार माना जा सकता है

उर्दू भाषा

• उर्दू दक्षिण एशिया की एक बड़ी और महत्वपूर्ण भाषा है। भारतीय उपमहाद्वीप की स्वतंत्रता के पश्चात उर्दू भाषा ने बहुत लोकप्रियता प्राप्त की है।

• उर्दू भाषा को भारत की अट्ठारह (अब 22 भाषाएँ हैं) राष्ट्रीय भाषाओं में स्थान दिया गया है। यद्यपि, उर्दू भाषा पर अरबी भाषा और फ़ारसी भाषा का प्रभाव नज़र आता है परन्तु हिन्दी की तरह यह एक हिन्द-आर्याई/भारतीय-आर्याई/इण्डो-आर्यन भाषा है।जिसका जन्म एवं विकास भारतीय उपमहाद्वीप में हुआ।

• उर्दू और हिन्दी दोनों आधुनिक इण्डो-आर्यन भाषाऐं हैं जिनकी जड़ें समान हैं।

• व्याकरण और ध्वनि प्रक्रिया के अनुसार दोनों भाषाएं इतनी समीप हैं कि दोनों एक ही भाषा लगती हैं। परन्तु शब्द भण्डार के स्तर पर दोनों भाषाऐं दूसरी भाषाओं (उर्दू अरबी व फ़ारसी भाषा से और हिन्दी संस्कृत भाषा) से प्रभावित हैं।

"बिहार की भाषाएँ एवं बोलियाँ"

बिहार राज्य की भाषाएँ

- बिहारी हिंदी का विकास मागधी अपभ्रंश से हुआ है। जिसे दो भागों-
- पूर्वी बिहारी और पश्चिमी बिहारी में विभाजित किया जा सकता है।

- पूर्वी बिहारी की दो बोलियाँ हैं- मगही और मैथिली।

- वहीं पश्चिमी बिहारी के अंतर्गत भोजपुरी (bhojpuri boli) बोली आती है।

- जार्ज ग्रियर्सन ने मगही (magahi boli) को मैथिली (maithili boli) की एक बोली मानते हैं।

- वहीं सुनीति कुमार चटर्जी bhojpuri boli (भोजपुरी) को maithili boli (मैथिली) और magahi boli (मगही) से भिन्न मानते हैं और उसे अलग रखने के पक्ष में है।

- जार्ज ग्रियर्सन ने बिहारी बोली का प्रयोग करने वालों की संख्या लगभग 3 करोड़ 70 लाख मानी थी। ग्रियर्सन ने ही इस बोली को 'बिहारी' नाम दिया था।

बिहार की भाषाएँ एवं बोलियाँ"

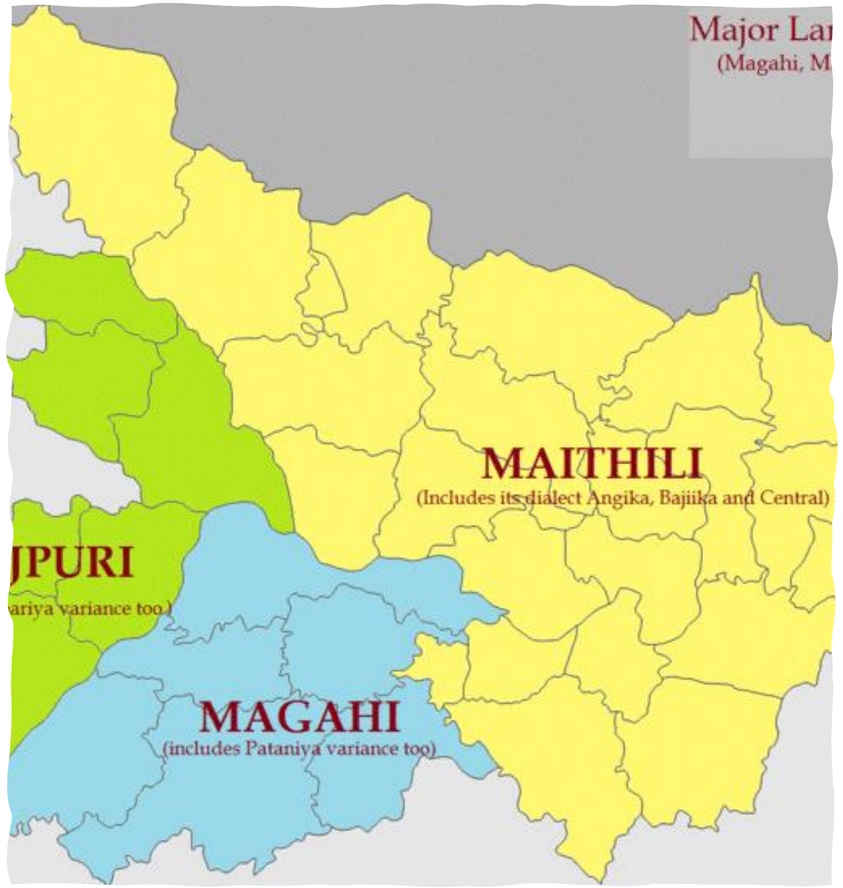

- बिहार में बोली जाने वाली भाषाओं और बोलियों में अंगिका, भोजपुरी, मैथिली, मगही, और वज्जिका, प्रमुख हैं।

- #अंगिका :- इस भाषा को भागलपुरी भाषा भी कहा जाता है। अंगिका भाषा दुमका, देवधर, गोड्डा, सोहबगंज, मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया आदि जिलों में बोली जाती है। इसके बोलने वालों की संख्या 1.12 करोड़ है।
- #भोजपुरी :- यह भाषा बिहार के मुख्यतः रोहतास, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, सारण, सीवान, गोपलगंज और पश्चिमी चम्पारण में बोली जाती है। बिहार में भोजपुरी बोलने वालों की संख्या करीब 1 करोड़ 10 लाख है। भोजपुरी भाषा में अनेक फिल्मों के निर्माण से इसके प्रचार-प्रसार में वृद्धि हुई है।
- #मैथिली :- यह भाषा बिहार की भाषाओं में सबसे उन्नत और विकसित है। कवि कोकिल विद्यापति इस भाषा के सर्वोपरि कवि हैं। मैथिली भाषा दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर, मधेपुरा, सहरसा, सीतामढ़ी व पूर्णिया जिलों में बोली जाती हैं। लिग्इवंस्टिक सर्वे ऑफ इण्डिया के अनुसार मैथिली भाषा को बोलने वालों की संख्या 1 करोड़ है।
- #मगही :- मगही बोलने वालों की जनसंख्याकरीब 75 लाख है। यह भाषा गया, पटना, जहानाबाद, नवादा, मुंगेर, हजारीबाग और पलामू जिलों में बोली जाती है। लेकिन पटना और गया जिले में सबसे अधिक बोली जाती है।
- #वज्जिका :- वज्जिका वैशाली एवं मुजफ्फरपुर जिले की भाषा है। यह भाषा सम्पूर्ण मुजफ्फरपुर, चम्पारण का पूर्वी क्षेत्र आदि क्षेत्र में बोली जाती हैं। वज्जिका का क्षेत्र करीब चौबालीस सौ वर्ग मील फैला है। वज्जिका भाषा की बोलने वालों की संख्या करीब 62 लाख है।

भोजपुरी

- भोजपुरी बोली (bhojpuri boli) का विकास मागधी अपभ्रंश के पश्चिमी रूप से हुआ है। बिहार के भोजपुर नामक कस्बे के आधार पर इसका नाम bhojpuri (भोजपुरी) पड़ा।

- भोजपुर की स्थापना राजा भोज के वंशजों ने की थी। भोजपुरी के नामकर्ता रेमण्ड को माना जाता है।

- bhojpuri boli (भोजपुरी बोली) की मुख्य लिपि नागरी लिपि है। कुछ लोग कैथी लिपि का प्रयोग भी किया करते थे। वहीं बही-खाते के लिए महाजनी लिपि का प्रयोग होता था। जार्ज ग्रियर्सन ने इसके बोलने वालों की संख्या दो करोड़ चार लाख मानी है।

- भोजपुरी में मुख्य रूप से लोक साहित्य ही मिलता है। कबीरदास, राहुल सांकृत्यायन, गोरख पाण्डेय, चंचरीक, धरमदास, शिव नारायण, लक्ष्मी सखी आदि उल्लेखनीय हैं।

मगही

• मगही बिहारी हिंदी की महत्वपूर्ण बोली है। यह बोली पूर्वी बिहारी के अंतर्गत आती है। मगही बोली की लिपि मुख्य रूप से कैथी तथा नागरी है। पूर्वी मगही कहीं-कहीं बंगला तथा उडिया लिपि में भी लिखी जाती है। जार्ज ग्रियर्सन के अनुसार मगही (magahi boli) बोलने वालों की संख्या 6504817 थी। 1971 की जनगणना अनुसार यह संख्या 6638495 है। magahi boli (मगही) बोली में लोक साहित्य ही मिलता है, जिसमें 'गोपी चन्द' तथा 'लोरिक' प्रसिद्ध हैं।

• मगही बोली (magahi boli) गया, पटना, हजारीबाग, मुंगेर, पालामाऊ, भागलपुर, सारन जिलों के कुछ भागों में बोली जाती है। मगही का आदर्श रूप 'गया' जिले में मिलता है, प्रमुख केंद्र भी यही है।

मैथिली भाषा

- मैथिली का प्रथम प्रमाण रामायण में मिलता है। यह त्रेता युग में मिथिलानरेश राजा जनक की राज्यभाषा थी। इस प्रकार यह इतिहास की प्राचीनतम भाषाओं में से एक मानी जाती है

- विद्यापति मैथिली के आदिकवि तथा सर्वाधिक ज्ञाता कवि हैं। विद्यापति ने मैथिली के अतिरिक्त संस्कृत तथा अवहट्ट में भी रचनाएं लिखीं। ये वह दो प्रमुख भाषाएं हैं जहाँ से मैथिली का विकास हुआ।

- भारत की लगभग 5.6 प्रतिशत आबादी लगभग 7-8 करोड़ लोग मैथिली को मातृ-भाषा के रूप में प्रयोग करते हैं और इसके प्रयोगकर्ता भारत और नेपाल के विभिन्न हिस्सों सहित विश्व के कई देशों में फैले हैं। मैथिली विश्व की सर्वाधिक समृद्ध, शालीन और मिठास पूर्ण भाषाओं में से एक मानी जाती है।

- मैथिली भारत में एक राजभाषा के रूप में सम्मानित है। मैथिली की अपनी लिपि है जो एक समृद्ध भाषा की प्रथम पहचान है। ।

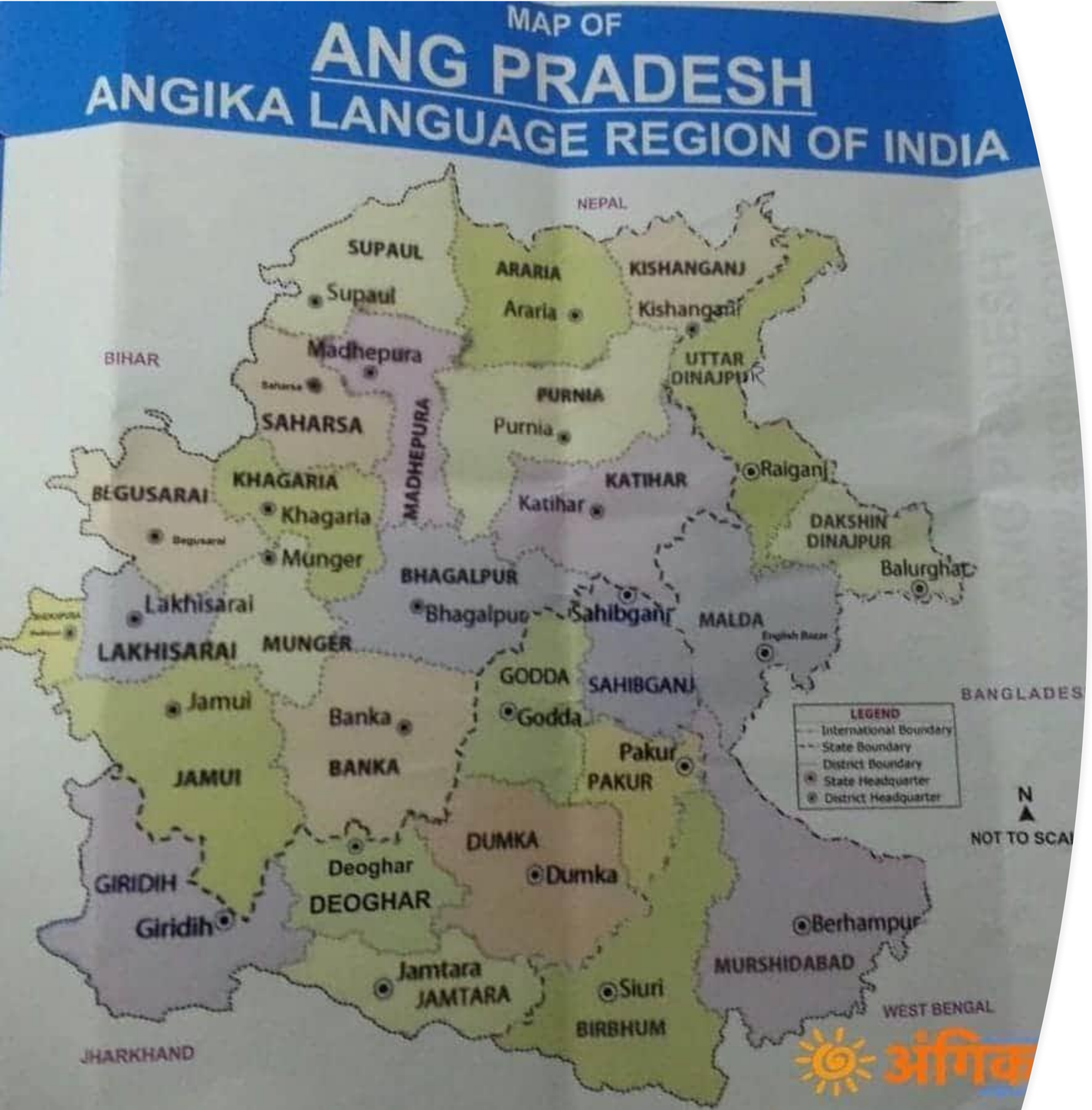

अंगिका

- अंगिका एक भाषा है जो झारखण्ड के उत्तर पूर्वी भागों में बोली जाती है जिसमें गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, देवघर, कोडरमा, गिरिडीह जैसे जिले सम्मिलित हैं।

- यह भाषा बिहार के भी पूर्वी भाग में बोली जाती है जिसमें भागलपुर, मुंगेर, खगड़िया, बेगूसराय, पूर्णिया, कटिहार, अररिया आदि सम्मिलित हैं। यह नेपाल के तराई भाग में भी बोली जाती है। अंगिका भारतीय आर्य भाषा है।

- अंगिका को देवनागरी लिपि में लिखा जाता है। इसे अंग भाषा के नाम से भी पुकारा जाता है। देवनागरी में 12 स्वर (ओ सहित) और 49 व्यंजन होते हैं और एक अवग्रह् भी होते हैं, इसे बाएं से दायें ओर लिखा जाता है।

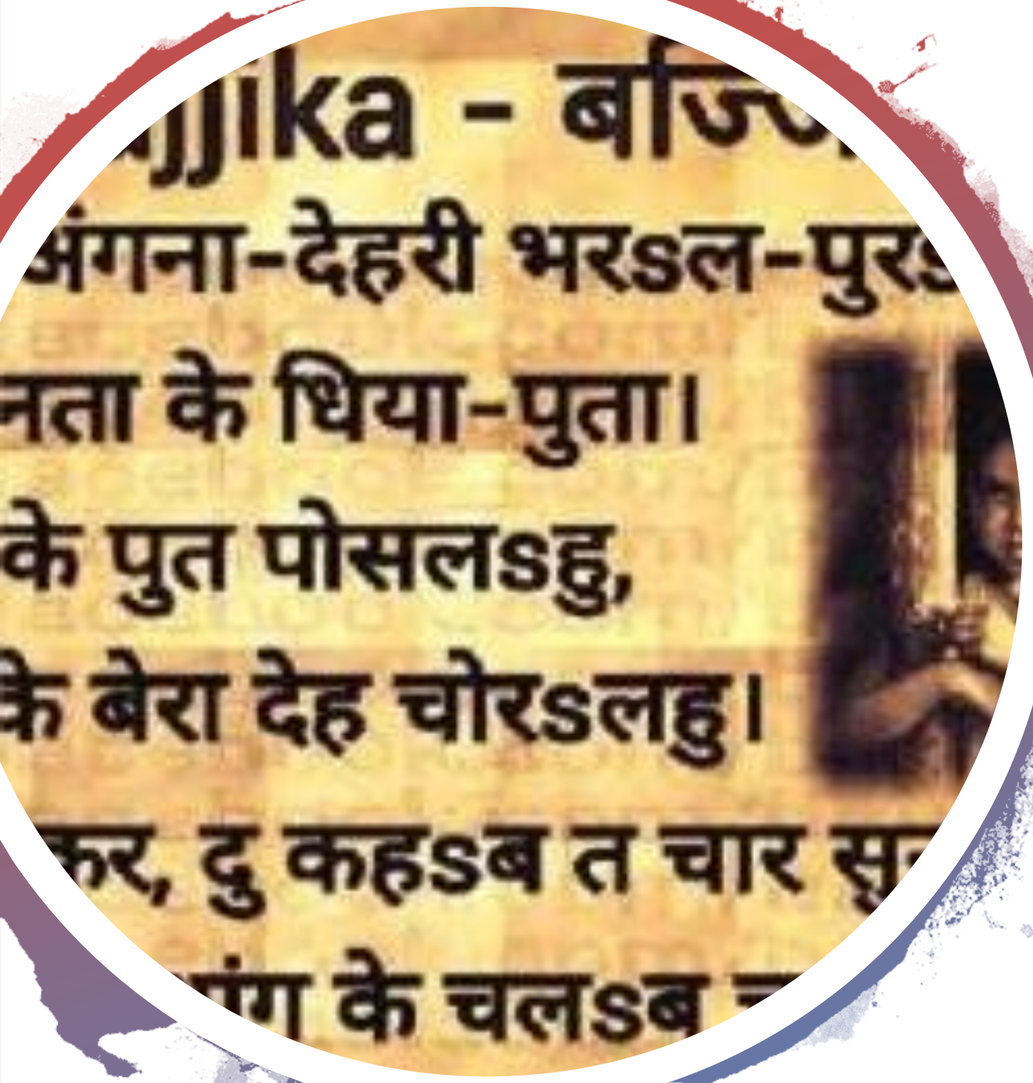

बज्जिका भाषा

- बज्जिका भाषा है, जो कि बिहार के तिरहुत प्रमंडल में बोली जाती है। इसे अभी तक भाषा का दर्जा नहीं मिला है, मुख्य रूप से यह बोली ही है|

- उत्तर बिहार में बोली जाने वाली दो अन्य भाषाएँ भोजपुरी एवं मैथिली के बीच के क्षेत्रों में बज्जिका सेतु रूप में बोली जाती है।

- बज्जिका की प्राचीनता एवं गरिमा वैशाली गणतंत्र के साथ जुड़ी हुई है साथ ही जो ऐतिहासिक स्थल के रूप में जानी जाती है और महावीर की जन्मस्थली और भगवान बुद्ध की कर्मभूमि के रूप में भी विख्यात है।

- प्राचीन भारतवर्ष के शक्तिशाली वैशाली महाजनपद में बज्जिसंघ द्वारा प्रयोग की जाने वाली बज्जिका, एक अति प्राचीन बोली/भाषा है| प्राचीन मिथिला का केन्द्र जनकपुर(वर्तमान में नेपाल का हिस्सा), बज्जिका भाषी क्षेत्र के अंतर्गत आता था। यहाँ आज भी बज्जिका ही बोली जाती है| इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि बज्जिका वास्तव में मैथिली का प्राचीन स्वरूप है, जिसकी नींव पर मध्यकाल के राज्याश्रयी विद्वान कवियों ने आधुनिक मानक मैथिली का निर्माण किया |

- बिहार में तिरहुत प्रमंडल के वैशाली, मुजफ्फरपुर, सीतामढी, शिवहर जिला तथा दरभंगा प्रमंडल के समस्तीपुर तथा मधुबनी के पश्चिमी भाग में एक करोड़ से ज्याद लोगों द्वारा बज्जिका बोली जाती है।

भाषा सीखना – Language Learning

लोकप्रिय वाक्य और उनका अनुवाद इंग्लिश , हिंदी , भोजपुरी, मगही, मैथली और अंगिका में

Popular Sentences and their translation in hindi and angika

English	Hindi	Angika
What is your name?	आपका नाम क्या है?	तोरऽ नाम की छौं / छेकौं ?
Come here.	यहाँ आओ।	हिन्न (इहाँ) आबऽ
What are you doing?	क्या कर रहे हो।	की करी रहलऽ छहो
I'm fine.	मैं ठीक हूं।	हम्म ठीक छियै
He is my son.	वह मेरा बेटा है।	वू हमरऽ बेटा छेकै.
She is my daughter.	वह मेरी पुत्री है।	वू हमरऽ बेटी छेकै
What should i do?	मुझे क्या करना चाहिए?	हम्म की करंऽ / हमरा की करना चाही
What did they do?	वो क्या करते थे?	वू की करै छै?
Did you all eat?	क्या आप सभी ने खाया?	तोंय सभ खैल्हो ?
He is eating a Guava.	वह अमरूद खा रहा है।	वू एगो साफली खाय रहलऽ छै.
Where were you, I was waiting for you?	तुम कहाँ थे, मैं तुम्हारी प्रतीक्षा कर रहा था?	कहाँ छेलो तोंय, तोरऽ बाट जोहै रहियौं ?

- Popular Sentences and their translation in Hindi and Bhojpuri

English	भोजपुरी (Bhojpuri)	हिंदी Hindi
Welcome	आईं ना (aain naa)	स्वागत हे
Hello (General greeting)	प्रणाम (prannam)	हैलो (सामान्य अभिवादन)
How are you?	का हाल बा? (kaa haal ba?)	क्या हाल है?
Reply to 'How are you?'	सब बढ़िया बा (sab badhiya ba)	'आप कैसे हैं?'
Long time no see	बड़ी दिन से भेंट ना भईल ह (badi din se bhent na bhayil ha)	बहुत समय से मिले नहीं
What's your name?	तोहार नाव् का ह? (tohar naav kaa ha?)	तुम्हारा नाम क्या है?
My name is ...	हमार नाव् ... ह (hamaar naav ... ha)	मेरा नाम है ...
Where are you from?	तु कहाँ से हव? (tu kahaan se hava?)	आप कहां के निवासी हैं?
I'm from ...	हम.....से हईं (hum....se haiin)	मैं से हूँ ...
Pleased to meet you	तोसे मिल कर अच्छा लगल (tose mil kar achchha lagal)	आपसे मिलकर खुशी हुई

- Popular Sentences and their translation in Maithali

English	Maithili
Welcome	Swagatam
Hello Hi (inf)	प्रनाम (Pranaam) - frm Halchal ki chho? (inf)
How are you? How are things? (inf) How's it going? (inf) Alright? (inf)	सभ कुशल मंगल (Saab kushal ṁangal?) Aahan kehan chhi?
Fine thanks, and you? Not bad, and yourself? (inf) Okay, and you? (inf)	Hum thik chhi
What's your name? What are you called?	Ahake naam kathi vele? Apne ker shubh naam?
My name is ... I'm called ...	Hamar naam ... chhi Hamar naam aichh ...
Pleased to meet you Nice to meet you A pleasure to meet you	Ahase milek khusi vagele Apne bhetal, badd prasannta bhel, bhagyak gaap
Good morning Morning	Suprabhaat

- Popular Sentences and their translation in Magahi

English	Magahi
How are you? How are things? (inf)	कैसन हखिन? /kæːsən həkʰɪn/
Fine thanks, and you? Not bad, and yourself? (inf) Okay, and you? (inf)	बढियाँ! /bəɽʰɪjãː/
Long time no see I haven't seen you for a long time I haven't seen you for ages	बड़ी दिन से नयँ मिलालियो तोरा से /baɽɪː d̪ɪn seː nəẽ mɪləlɪjoː t̪oːraː seː/
What's your name? What are you called?	तोर नाम की हको? /t̪oːr naːm kiː həkoː/
Where are you from? Where do you come from?	अपने कहाँ के हखिन? /əpne kəhãː keː həkʰɪn/
I'm from ... I come from ...	हम ... के हियो। (response to question) /həm ... keː hɪjoː/ हम ... के हिये। (general) /həm ... keː hɪjeː/
Pleased to meet you Nice to meet you A pleasure to meet you	तोरा से मिलके बड़ी अच्छा लगलो /t̪oraː seː mɪlkeː bəɽiː əʧʰaː ləgloː/

Angika	Hindi	Bhojpuri	Maithili	Magahi	Bajjika
हम्म॑	मैं/हम	हम/मय	हम	हम	हम
आपन॑	आप	रउआ/आप	अहाँ / अपने	अपने	अपने
हमरऽ	मेरा/हमारा	हमार/मोर	हम्मर	हमर	हम्मर

- बिहार के महान साहित्यकार

विद्यापति

- विद्यापति (अंग्रेज़ी:Vidyapati) भारतीय साहित्य की भक्ति परंपरा के प्रमुख स्तंभों में से एक और मैथिली भाषा के सर्वोपरि कवि के रूप में जाने जाते हैं।

- इनका संस्कृत, प्राकृत अपभ्रंश एवं मातृ भाषा मैथिली पर समान अधिकार था। विद्यापति की रचनाएँ संस्कृत, अवहट्ट, एवं मैथिली तीनों में मिलती हैं। इनके काव्यों में मध्यकालीन मैथिली भाषा के स्वरूप का दर्शन किया जा सकता है।

- इन्हें वैष्णव और शैव भक्ति के सेतु के रुप में भी स्वीकार किया गया है। मिथिला के लोगों को 'देसिल बयना सब जन मिट्ठा' का सूत्र दे कर इन्होंने उत्तरी-बिहार में लोकभाषा की जनचेतना को जीवित करने का महती प्रयास किया है।

- मिथिलांचल के लोकव्यवहार में प्रयोग किये जाने वाले गीतों में आज भी विद्यापति की श्रृंगार और भक्ति रस में पगी रचनाएँ हैं। पदावली और कीर्तिलता इनकी अमर रचनाएँ हैं।

महाकवि कालिदास

- कविकुल गुरु महाकवि कालिदास की गणना भारत के ही नहीं वरन् संसार के सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों में की जाती है।

- उन्होंने नाट्य, महाकाव्य तथा गीतिकाव्य के क्षेत्र में अपनी अदभुत रचनाशक्ति का प्रदर्शन कर अपनी एक अलग ही पहचान बनाई।

- जिस कृति के कारण कालिदास को सर्वाधिक प्रसिद्धि मिली, वह है उनका नाटक 'अभिज्ञान शाकुन्तलम' जिसका विश्व की अनेक भाषाओं में अनुवाद हो चुका है। उनके दूसरे नाटक 'विक्रमोर्वशीय' तथा 'मालविकाग्निमित्र' भी उत्कृष्ट नाट्य साहित्य के उदाहरण हैं।

- उनके केवल दो महाकाव्य उपलब्ध हैं - 'रघुवंश' और 'कुमारसंभव' पर वे ही उनकी कीर्ति पताका फहराने के लिए पर्याप्त हैं।

- **कालिदास** (अंग्रेज़ी: *Kalidas*) संस्कृत भाषा के सबसे महान् कवि और नाटककार थे। कालिदास ने भारत की पौराणिक कथाओं और दर्शन को आधार बनाकर रचनाएं की। कलिदास अपनी अलंकार युक्त सुंदर सरल और मधुर भाषा के लिये विशेष रूप से जाने जाते हैं। उनके ऋतु वर्णन अद्वितीय हैं और उनकी उपमाएं बेमिसाल।

रामधारी सिंह 'दिनकर

- रामधारी सिंह 'दिनकर' (अंग्रेज़ी: Ramdhari Singh Dinkar, जन्म: 23 सितंबर, 1908, बिहार; मृत्यु: 24 अप्रैल, 1974, तमिलनाडु) हिन्दी के प्रसिद्ध लेखक, कवि एवं निबंधकार थे।
- 'राष्ट्रकवि दिनकर' आधुनिक युग के श्रेष्ठ वीर रस के कवि के रूप में स्थापित हैं। उनको राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत, क्रांतिपूर्ण संघर्ष की प्रेरणा देने वाली ओजस्वी कविताओं के कारण असीम लोकप्रियता मिली। दिनकर जी ने इतिहास, दर्शनशास्त्र और राजनीति विज्ञान की पढ़ाई पटना विश्वविद्यालय से की।
- राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' ने हिंदी साहित्य में न सिर्फ वीर रस के काव्य को एक नयी ऊंचाई दी, बल्कि अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का भी सृजन किया.
- इसकी एक मिसाल 70 के दशक में संपूर्ण क्रांति के दौर में मिलती है. दिल्ली के रामलीला मैदान में लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने हजारों लोगों के समक्ष दिनकर की पंक्ति 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' का उद्घोष करके तत्कालीन सरकार के खिलाफ विद्रोह का शंखनाद किया था

फणीश्वरनाथ रेणु

- फणीश्वरनाथ रेणु का जन्म औराडी हिंगन्ना, जिला पूर्णियां, बिहार में , 4 मार्च 1921 को हुआ।
- वे हमेशा आजीवन शोषण और दमन के विरूद्ध संधर्षरत रहे। इसी प्रसंग में सोशलिस्ट पार्टी से जा जुड़े व राजनीति में सक्रिय भागीदारी की।
- 1942 के भारत-छोड़ो आंन्दोलन में सक्रिय भाग लिया। 1950 में नेपाली दमनकारी रणसत्ता के विरूद्ध सशस्त्र क्रांति के सूत्रधार रहे।
- 1954 में 'मैला आँचल' उपन्यास प्रकाशित हुआ तत्पश्चात् हिन्दी के कथाकार के रूप में अभूतपूर्व प्रतिष्ठा मिली। जे० पी० आन्दोलन में सक्रिय भागीदारी की और सत्ता द्वारा दमन के विरोध में पद्मश्री का त्याग कर दिया। हिन्दी आंचलिक कथा लेखन में सर्वश्रेष्ठ माने जाते है | 11 अप्रैल, 1977 को पटना में अंतिम सांस ली।

भिखारी ठाकुर

- भिखारी ठाकुर बहुआयामी प्रतिभा के लोक कलाकार थे। एक साथ कवि, गीतकार, नाटककार, नाट्य निर्देशक, लोक संगीतकार और अभिनेता थे।
- उनकी मातृभाषा भोजपुरी थी और उन्होंने भोजपुरी को ही अपने काव्य और नाटक की भाषा बनाया।
- वह भोजपुरी के समर्थ लोक कलाकार होने के साथ ही रंगकर्मी, लोक जागरण के सन्देश वाहक, नारी विमर्श एवं दलित विमर्श के उद्घोषक, लोक गीत तथा भजन कीर्तन के अनन्य साधक भी रहे हैं।
- वह बहुआयामी प्रतिभा के लोक कलाकार थे। एक साथ कवि, गीतकार, नाटककार, नाट्य निर्देशक, लोक संगीतकार और अभिनेता थे। उनकी मातृभाषा भोजपुरी थी और उन्होंने भोजपुरी को ही अपने काव्य और नाटक की भाषा बनाया। राहुल सांकृत्यायन ने उनको 'अनगढ़ हीरा' कहा तो जगदीशचंद्र माथुर ने 'भरत मुनि की परंपरा का कलाकार'।
- उनको 'भोजपुरी का शेक्सपीयर' भी कहा जाता है।

श्री रामवृक्ष बेनीपुरी

- स्वतन्त्रता संग्राम के अमर सेनानी श्री रामवृक्ष बेनीपुरी हिन्दी के महान लेखकों में गिने जाते हैं। हृदय में देशभक्ति की आग और वाणी में शोले लेकर यह महान शब्द-शिल्पी जब साहित्य-सृजन के क्षेत्र में आया तो उसने एक क्रान्ति उपस्थित कर दी।

- बेनीपुरी जी का जन्म सन् 1902 में बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में बेनीपुर नामक ग्राम में हुआ था।इनकी प्रारम्भिक शिक्षा बेनीपुर में हुई और बाद में ये अपनी ननिहाल में पढ़े। मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण करने से पूर्व ही सन् 1920 ई. में इन्होंने अध्ययन छोड़ दिया और गांधी जी के असहयोग आन्दोलन से प्रभावित होकर स्वतन्त्रता संग्राम में कूद पड़े।

- आगे स्वाध्याय के बल पर ही इन्होंने हिन्दी साहित्य की 'विशारद' परीक्षा उत्तीर्ण की। ये राष्ट्र सेवा के साथ-साथ साहित्य की भी साधना करते रहे। साहित्य की ओर इनकी रुचि 'रामचरितमानस' के अध्ययन से जाग्रत हुई।

- पन्द्रह वर्ष की आयु से ही ये पत्र-पत्रिकाओं में लिखने लगे थे। देश सेवा के परिणामस्वरूप इनको कई बार जेल भी जाना पड़ा। सन् 1968 में इनका देहान्त हो गया।

नागार्जुन

- नागार्जुन (Nagarjuna, 30 जून, 1911 - 5 नवंबर, 1998) प्रगतिवादी विचारधारा के लेखक और कवि हैं। नागार्जुन ने 1945 ई. के आसपास साहित्य सेवा के क्षेत्र में क़दम रखा।
- शून्यवाद के रूप में नागार्जुन का नाम विशेष उल्लेखनीय है। नागार्जुन का असली नाम 'वैद्यनाथ मिश्र' था। हिन्दी साहित्य में उन्होंने 'नागार्जुन' तथा मैथिली में 'यात्री' उपनाम से रचनाओं का सृजन किया।
- नागार्जुन एक कवि होने के साथ ही उपन्यासकार और मैथिली के श्रेष्ठ कवियों में जाने जाते हैं. इन्होने कविताओं के साथ-साथ उपन्यास और अन्य विधाओं का लेखन वर्णन किया.
- ये शुरु से अपनी कविताओं को यात्री उपन्यास में लिखा करते थे. इनकी सारी कविताएं भारतीय जन – जीवन से जुड़ीं हुई हैं. परंपरागत प्राचीन पद्धति से संस्कृत की शिक्षा प्राप्त करने वाले बाबा नागार्जुन हिन्दी, मैथिली, संस्कृत तथा बांग्ला भाषा में अपनी कविताएँ लिखा करते थे.
- इनको काव्य संग्रह ‘पत्रहीन नग्न गाछ’ के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था

क्यों भारत में मर रही हैं भाषाएं ?

दुनिया में भाषा के खत्म होने के मामले में भारत तीसरे नंबर पर है

सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाएं

आंकड़े करोड़ में

संकट में भारतीय भाषाएं

NEWS18 हिंदी

42

भाषाएं लुप्त होने के कगार पर

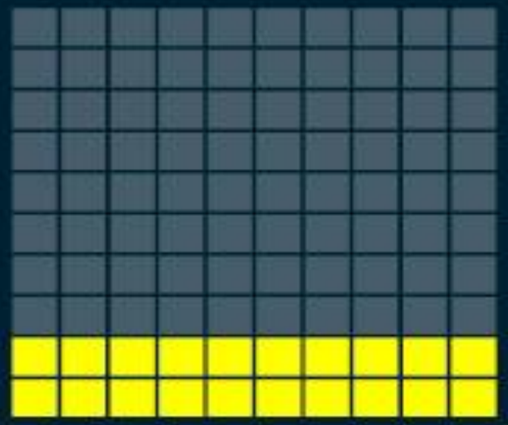

20%

भाषाएं विलुप्त हो गईं 50 सालों में

50 साल में भाषा बोलने वालों की तादाद बढ़ी (करोड़ में)

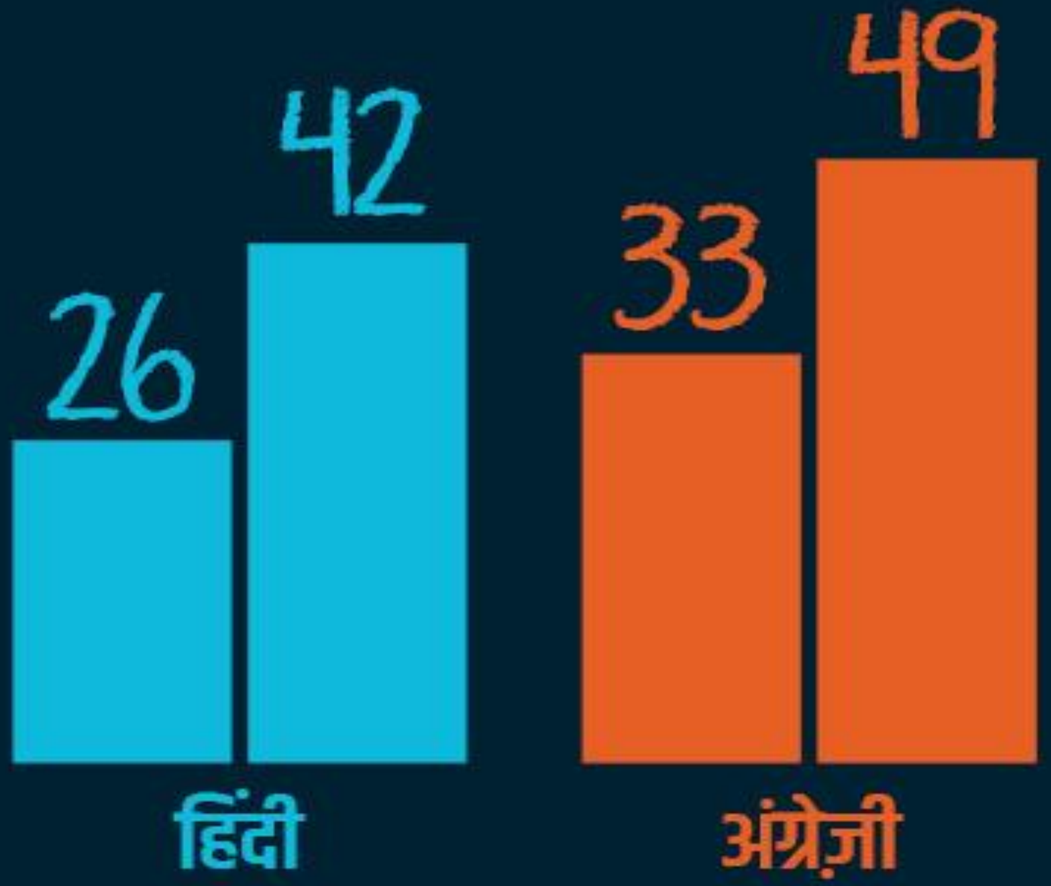

भाषा विलुप्त के मुख्य कारण

अपनी भाषा छोड़कर दूसरी भाषा को सीखना

कई पीढ़ियों से धीरे धीरे भाषा का मरना

भाषा के व्याकरण और शब्द का लगभग या पूरी तरह बदलना

वैश्वीकरण और नव-उपनिवेशवाद

शिक्षा प्रणाली और मीडिया (इंटरनेट, टेलीविजन और प्रिंट मीडिया) विलुप्त करने में सहायक

- भारत की 197 भाषाएं विलुप्त होने के कगार पर, 10 भाषाओं के बचे सिर्फ 100 जानकार

- प्रश्न मात्र यह है कि 500 ई0पू0 की बौद्ध कालीन पालि भाषा जिसे सम्राट अशोक महान द्वारा वर्मा, लंका, अफगानिस्तान से लेकर पूरे भारत में शिलालेखों और पत्थरो पर उकेरी हुई लिपियाँ नष्ट होने के कगार पर है, तथा अपवाद को छोडकर अब लोग पढ़ने में असमर्थ हैं,,,, लेकिन संस्कृत जिसे 1500 ई0पू0 बताया जा रहा है, जिसका इतिहास मात्र कागज पर है,

- पिछले 50 साल में भारत की क़रीब 20 फीसदी भाषाएं विलुप्त हो गई हैं. भाषाओं के विलुप्त होने में हम रूस और अमेरिका के बाद तीसरे नंबर पर हैं. 50 साल पहले 1961 की जनगणना के बाद 1652 मातृभाषाओं का पता चला था. बाद में 1100 भाषाओं को मातृभाषा माना गया. लेकिन तमाम मानकों के आधार पर 199 भाषाओं को विलुप्त हुआ माना जा रहा है. हालांकि भाषाविद मानते हैं कि भारत में पिछले 50 सालों में 250 के आसपास भाषाएं गायब हो चुकी हैं.

जैसे चीटियां लौटती हैं
बिलों में...

कठफोड़वा लौटता है
काठ के पास...

वायुयान लौटते हैं एक के बाद एक
लाल आसमान में डैने पसारे हुए
हवाई अड्डे की ओर...

ओ मेरी भाषा...
मैं लौटता हूं तुम में

जब चुप रहते रहते
अकड़ जाती है मेरी जीभ

दुखने लगती है
मेरी आत्मा.....

मातृभाषा को लेकर कवि केदार नाथ सिंह की ये पंक्तियां बताती हैं कि आख़िर में हमें जड़ों की तरफ़ ही लौटना पड़ता है. .....

Thank You!!!